उसने हमें भविष्यवक्ता दिए

अध्ययन निर्देशिका

अध्याय चार

वाचाओं के प्रभाव

THIRD MILLENNIUM MINISTRIES

Biblical Education. For the World. For Free.

For videos, manuscripts, and other resources, visit Third Millennium Ministries at thirdmill.org.

विषय-वस्तु

इस अध्याय को कैसे इस्तेमाल करें और अध्ययन निर्देशिका 3

नोट्स 4

I. परिचय (0:28) 4

II. वाचायी आदर्श (1:33) 4

A. वाचायी संरचनाएं (3:00) 4

B. भविष्यवाणिय सेवकाई (11:48) 7

III. वाचायी दण्ड (14:28) 7

A. दण्ड के प्रकार (15:48) 8

1. प्रकृति में दण्ड *(17:19)* *8*

2. युद्ध में दण्ड *(19:22)* *9*

B. दण्ड की प्रक्रिया (21:00) 10

1. दैवीय धैर्य *(21:47)* *10*

2. गंभीरता का बढ़ना *(23:19)* *10*

3. विशेष अंत *(24:55)* *11*

IV. वाचायी आशीषें (27:30) 11

A. आशीषों के प्रकार (28:19) 11

1. प्रकृति में आशीष *(28:37)* *12*

2. युद्ध में आशीष *(30:40)* *13*

B. आशीषों की प्रक्रिया (32:31) 14

1. अनुग्रह *(32:55)* *14*

2. स्तर *(33:45)* *14*

3. अन्त *(35:16)* *15*

V. निष्कर्ष (38:15) 15

पुनर्समीक्षा के प्रश्न 16

उपयोग के प्रश्न 20

© 2007 by Third Millennium Ministries www.thirdmill.org

इस अध्याय को कैसे इस्तेमाल करें और अध्ययन निर्देशिका

इस अध्ययन निर्देशिका को इसके साथ जुड़े वीडियो अध्याय के साथ इस्तेमाल करने के लिए तैयार किया गया है। यदि आपके पास वीडियो नहीं है तो भी यह अध्याय के ऑडियो और/या लेख रूप के साथ कार्य करेगा। इसके साथ-साथ अध्याय और अध्ययन निर्देशिका की रचना सामूहिक अध्ययन में इस्तेमाल किए जाने के लिए की गई है, परन्तु यदि जरुरत हो तो उनका इस्तेमाल व्यक्तिगत अध्ययन के लिए भी किया जा सकता है।

- **इससे पहले कि आप वीडियो देखें**
    - **तैयारी करें** — किसी भी बताए गए पाठन को पूरा करें।
    - **देखने की समय-सारणी बनाएं** — अध्ययन निर्देशिका के नोट्स के भाग में अध्याय को ऐसे भागों में विभाजित किया गया है जो वीडियो के अनुसार हैं। कोष्ठक में दिए गए समय कोड्स का इस्तेमाल करते हुए निर्धारित करें कि आपको देखने के सत्र को कहाँ शुरू करना है और कहाँ समाप्त। IIIM अध्याय अधिकाधिक रूप में जानकारी से भरे हुए हैं, इसलिए आपको समय-सारणी में अंतराल की आवश्यकता भी होगी। मुख्य विभाजनों पर अंतराल रखे जाने चाहिए।
- **जब आप अध्याय को देख रहे हों**
    - **नोट्स लिखें** — सम्पूर्ण जानकारी में आपके मार्गदर्शन के लिए अध्ययन निर्देशिका के नोट्स के भाग में अध्याय की आधारभूत रूपरेखा रहती है, इसमें हर भाग के आरंभ के समय कोड्स और मुख्य बातें भी रहती हैं। अधिकांश मुख्य विचार पहले ही बता दिए गए हैं, परन्तु इनमें अपने नोट्स अवश्य जोड़ें। आपको इसमें सहायक विवरणों को भी जोड़ना चाहिए जो आपको मुख्य विचारों को याद रखने, उनका वर्णन करने और बचाव करने में सहायता करेंगे।
    - **टिप्पणियों और प्रश्नों को लिखें —** जब आप वीडियो को देखते हैं तो जो आप सीख रहे हैं उसके बारे में आपके पास टिप्पणियां और/या प्रश्न होंगे। अपनी टिप्पणियों और प्रश्नों को लिखने के लिए इस रिक्त स्थान का प्रयोग करें ताकि आप देखने के सत्र के बाद समूह के साथ इन्हें बाँट सकें।
    - **अध्याय के कुछ हिस्सों को रोकें/पुनः चलाएँ** — अतिरिक्त नोट्स को लिखने, मुश्किल भावों की पुनः समीक्षा के लिए या रुचि की बातों की चर्चा करने के लिए वीडियो के कुछ हिस्सों को रोकना और पुनः चलाना सहायक होगा।
- **वीडियो को देखने के बाद**
    - पुनर्समीक्षा के प्रश्नों को पूरा करें — पुनर्समीक्षा के प्रश्न अध्याय की मूलभूत विषय-वस्तु पर निर्भर होते हैं। आप दिए गए स्थान पर पुनर्समीक्षा के प्रश्नों का उत्तर दें। ये प्रश्न सामूहिक रूप में नहीं बल्कि व्यक्तिगत रूप में पूरे किए जाने चाहिए।
    - उपयोग प्रश्नों के उत्तर दें या उन पर चर्चा करें — उपयोग के प्रश्न अध्याय की विषय-वस्तु को मसीही जीवन, धर्मविज्ञान, और सेवकाई से जोड़ने वाले प्रश्न हैं। उपयोग के प्रश्न लिखित सत्रीय कार्यों के रूप में या सामूहिक चर्चा के रूप में उचित हैं। लिखित सत्रीय कार्यों के लिए यह उचित होगा कि उत्तर एक पृष्ठ से अधिक लम्बे न हों।

© 2013 by Third Millennium Ministries
www.thirdmill.org

नोट्स

I. परिचय (0:28)

II. वाचायी आदर्श (1:33)

भविष्यवक्ता समझ गए थे कि परमेश्वर और इस्राएल के बीच वाचायी संबंध में कुछ आदर्श पाए जाते थे।

A. वाचायी संरचनाएं (3:00)

पुराना नियम इस्राएल के साथ यहोवा की वाचाओं का वर्णन इस प्रकार करता है जैसे कि वे प्राचीन मध्य पूर्व की सुजरेन वासल संधियों के प्रारूप के समान हों।

सुजरेन वासल संधियां सदैव सम्राट की दया पर ही निर्भर थीं। यह विषय वाचा के बाइबल के आदर्श के साथ भी मिलता है।

© 2007 by Third Millennium Ministries www.thirdmill.org

प्राचीन जगत में सुजरेन-वासल संधि में सम्राट के अधीन के राष्ट्रों से वफादारी की मांग की जाती थी। पुराने नियम की प्रत्येक वाचा में परमेश्वर के लोगों से वफादारी की मांग की जाती थी।

परमेश्वर ने वाचा के पांच संबंधों को स्थापित किया :

- आदम :
    - उपकार :
    - जिम्मेदारी :
- नूह :
    - उपकार :
    - जिम्मेदारी :

© 2007 by Third Millennium Ministries www.thirdmill.org

- अब्राहम :
    - उपकार :
    - जिम्मेदारी :

- मूसा :
    - उपकार :
    - जिम्मेदारी :

- दाऊद :
    - उपकार :
    - जिम्मेदारी :

© 2007 by Third Millennium Ministries www.thirdmill.org

- नई वाचा :
    - उपकार :
    - जिम्मेदारी :

B. भविष्यवाणिय सेवकाई (11:48)

भविष्यवक्ताओं ने अपने लोगों को यह याद दिलाई :

- उस करूणा की जो परमेश्वर ने उन पर की थी
- वफादारीपूर्ण सेवा की

III. वाचायी दण्ड (14:28)

दण्ड की प्रणाली में भविष्यवक्ताओं ने बहुत ही महत्वपूर्ण भूमिका अदा की। वे वाचा के संदेशवाहक थे।

© 2007 by Third Millennium Ministries www.thirdmill.org

A. दण्ड के प्रकार (15:48)

लोगों को जैसे दण्ड की अपेक्षा करनी चाहिए उसकी सूची के लिए उन्होंने पुराने नियम के वचनों को देखा।

पाँच मुख्य अनुच्छेदों ने भविष्यवक्ताओं को अगुवाई दी :

- व्यवस्थाविवरण 4:25-28
- व्यवस्थाविवरण 28:15-68
- व्यवस्थाविवरण 29:16-29
- व्यवस्थाविवरण 32:15-43
- लैव्यवस्था 26:14-39

1. प्रकृति में दण्ड (17:19)

संसार परमेश्वर के लोगों के का शत्रु हो जाएगा।

© 2007 by Third Millennium Ministries www.thirdmill.org

परमेश्वर के लोगों के विरूद्ध प्राकृतिक दण्ड के कम से कम छः बड़े प्रकार।

- सूखा
- अकाल
- महामारी
- जंगली जानवर
- संतानहीनता
- असामयिक मृत्यु

2. युद्ध में दण्ड (19:22)

युद्ध में दण्ड में की पाँच मुख्य श्रेणियां :

- पराजय
- घेराबंदी
- उनके नगरों पर कब्जा
- मृत्यु और विनाश
- बंधुआई/निर्वासन

© 2007 by Third Millennium Ministries www.thirdmill.org

B. दण्ड की प्रक्रिया (21:00)

दण्ड एक लम्बे समय तक चलता है और वह एक निश्चित प्रारूप का अनुसरण करता है।

1. दैवीय धैर्य (21:47)

परमेश्वर अपने लोगों के प्रति बहुत धैर्य रखता है जब वे पाप करते हैं।

2. गंभीरता का बढ़ना (23:19)

भविष्यवक्ताओं ने तुलनात्मक रूप से छोटे दण्ड की चेतावनी दी, और फिर बाद में उन्होंने किसी बड़े दण्ड के आने की चेतावनी भी दी।

© 2007 by Third Millennium Ministries www.thirdmill.org

3. विशेष अंत (24:55)

सबसे गंभीर दण्ड : भूमि का पूर्ण विनाश और प्रतिज्ञा की भूमि से बंधुआई में जाना।

परमेश्वर लम्बे, संगीन पाप के द्वारा क्रोधित हो जाता है।

IV. वाचायी आशीषें (27:30)

परमेश्वर अपने लोगों को कड़ा दण्ड देगा, परन्तु यहोवा अपने वाचायी लोगों को कभी पूरी तरह से छोड़ेगा नहीं।

A. आशीषों के प्रकार (28:19)

आशीषें लोगों को तब मिलती हैं जब वे परमेश्वर के प्रति विश्वासयोग्य होने का प्रयत्न करते हैं।

© 2007 by Third Millennium Ministries www.thirdmill.org

1. प्रकृति में आशीष (28:37)

परमेश्वर ने प्रकृति से जुड़ी अनेक आशीषें देने का वादा किया यदि वे विश्वासयोग्यता के साथ केवल उसकी सेवा करें।

- भरपूर कृषि/खेती

- पशुधन में बढ़ोतरी

- अच्छा स्वास्थ्य और खुशहाली

- जनसंख्या में बढ़ोतरी

© 2007 by Third Millennium Ministries www.thirdmill.org

2. युद्ध में आशीष (30:40)

वाचा की आशीषों में विजय और शांति

- शत्रुओं की हार

- युद्ध का अंत

- विनाश से राहत

- बंदियों की रिहाई

- पश्चाताप और सच्चाई प्रकृति और युद्ध में महान् आशीषों को प्रदान करेगी।

© 2007 by Third Millennium Ministries www.thirdmill.org

B. आशीषों की प्रक्रिया (32:31)

तीन सिद्धांत दैवीय आशीष की प्रक्रिया को संचालित करते हैं।

1. अनुग्रह (32:55)

वाचायी आशीष का आधार :

- परमेश्वर से मिलने वाली दया; क्षमा
- मानवीय योग्यता नहीं

2. स्तर (33:45)

आशीषों के छोटे और बड़े स्तर थे :

- व्यक्तिगत आशीषें
- राष्ट्रीय आशीषें

© 2007 by Third Millennium Ministries www.thirdmill.org

3. अन्त (35:16)

चाहे कितना भी बड़ा दण्ड क्यों न आ जाए, फिर भी विश्वासयोग्य इस्राएलियों का एक समूह बचा रहेगा।

इन बचे हुए लोगों से ही परमेश्वर ने अपने लोगों के लिए सबसे बड़ी आशीष लाने की प्रतिज्ञा की थी।

बचे हुए लोग युद्ध में भी एक बड़ी आशीष प्राप्त करेंगे।

परमेश्वर ने प्रतिज्ञा की थी बंधुआई के बड़े दण्ड के बावजूद बचे हुए लोग पुनर्स्थापना की एक बड़ी आशीष को प्राप्त करेंगे।

V. निष्कर्ष (38:15)

© 2007 by Third Millennium Ministries www.thirdmill.org

पुनर्समीक्षा के प्रश्न

1. परमेश्वर और इस्राएल के बीच वाचा की आधारभूत संरचनाओं को सारगर्भित कीजिए।

2. भविष्यवक्ताओं की भूमिका किस प्रकार इस्राएल के साथ परमेश्वर की वाचा की आधारभूत संरचना से संबंधित है?

© 2007 by Third Millennium Ministries www.thirdmill.org

3. वाचायी दण्ड के सामान्य प्रकारों को सारगर्भित कीजिए।

4. दण्ड की तीन चरणों की प्रक्रिया का वर्णन कीजिए।

© 2007 by Third Millennium Ministries www.thirdmill.org

5. दण्ड की प्रणाली में भविष्यवक्ताओं ने क्या भूमिका अदा की?

6. वाचायी आशीषों के दो मुख्य प्रकारों का वर्णन कीजिए।

© 2007 by Third Millennium Ministries www.thirdmill.org

7. आशीष की तीन चरणों की प्रक्रिया को स्पष्ट कीजिए।

8. आशीष की इस प्रणाली में भविष्यवक्ताओं ने क्या भूमिका अदा की?

© 2007 by Third Millennium Ministries www.thirdmill.org

उपयोग के प्रश्न

1. किस प्रकार आशीष और श्राप के वाचायी उद्देश्य आज लोगों पर लागू होते हैं?

2. वाचायी सच्चाई और जिम्मेदारी के विषय में परमेश्वर लोगों को क्यों और कैसे परखता है?

3. व्यवस्थाविवरण 29:25-28 के अनुसार परमेश्वर के लोग उसके क्रोध को भड़का सकते हैं। किन रूपों में आधुनिक मसीही परमेश्वर को क्रोधित कर रहे होंगे?

4. मसीहियों को अपने पापों के प्रति परमेश्वर के धैर्य के कैसे भावनात्मक, बौद्धिक और व्यावहारिक प्रत्युत्तर देने चाहिए?

5. विश्वासयोग्य इस्राएली जानते थे कि परमेश्वर की आशीषें उसकी दया और क्षमा पर निर्भर थीं, न कि मानवीय योग्यता पर। किन रूपों में आधुनिक मसीही परमेश्वर की आशीषों को प्राप्त करने का प्रयास करते हैं? यह किस प्रकार परमेश्वर के साथ उनके संबंध को प्रभावित कर सकता है? परमेश्वर की दया और क्षमा पर निर्भर रहने के लिए वे कौनसे व्यावहारिक कदम उठा सकते हैं?

6. इस अध्ययन से आपने कौनसी सबसे महत्वपूर्ण बात सीखी है? क्यों?

© 2007 by Third Millennium Ministries www.thirdmill.org